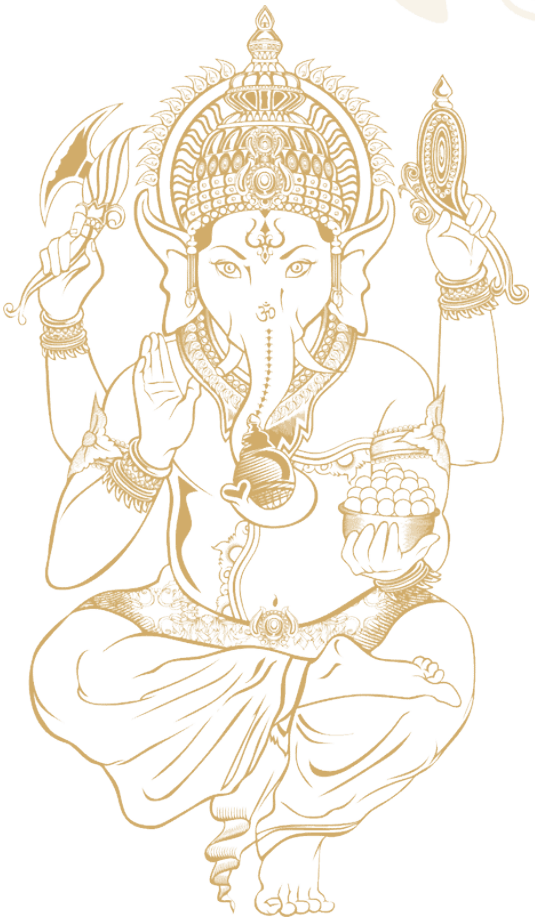

B

08 Apr 2026

10:13 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121871004

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/04/2026**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**10:13:00 घंटे**
इष्ट	10:23:06 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:51:52 घंटे
वेलान्तर	-00:01:53 घंटे
साम्पातिक काल	22:57:43 घंटे
सूर्योदय	06:03:45 घंटे
सूर्यास्त	18:42:48 घंटे
दिनमान	12:39:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	24:08:18 मीन
लग्न के अंश	04:03:12 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वरियान
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ये-येरुसलम
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	04:03:12	333:39:02	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			मीन	24:08:18	00:58:59	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			धनु	02:08:14	11:52:17	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	मीन	04:30:44	00:46:46	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मित्र राशि
बुध			कुंभ	26:47:47	01:10:16	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मिथु	22:05:50	00:05:07	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	16:15:37	01:13:36	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	सम राशि
शनि		अ	मीन	12:12:48	00:07:23	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	13:53:52	00:03:47	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	13:53:52	00:03:47	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:51:43	00:02:50	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	08:14:46	00:02:12	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
प्लूटो			मक	11:05:46	00:00:47	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	18:52:53	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

लग्न-चलित

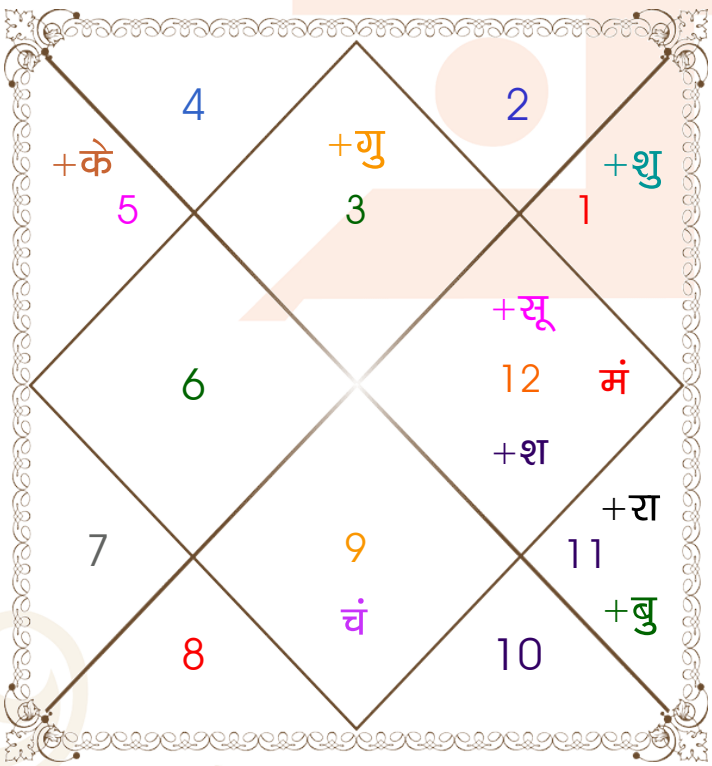

चन्द्र कुंडली

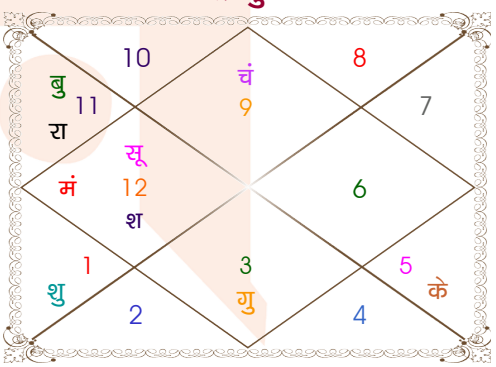

नवमांश कुंडली

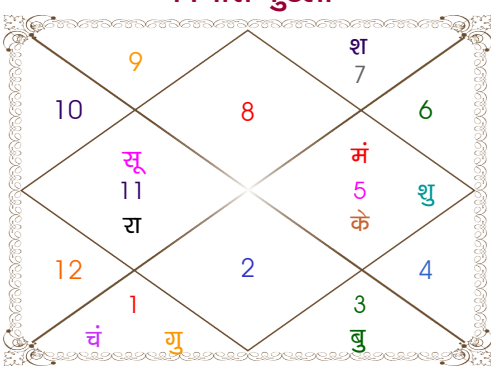

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 10 मास 16 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
08/04/2026		23/02/2032		23/02/2052		22/02/2058		23/02/2068	
23/02/2032		23/02/2052		22/02/2058		23/02/2068		23/02/2075	
	08/04/2026	शुक्र	24/06/2035	सूर्य	11/06/2052	चंद्र	24/12/2058	मंगल	21/07/2068
शुक्र	20/09/2026	सूर्य	24/06/2036	चंद्र	11/12/2052	मंगल	25/07/2059	राहु	09/08/2069
सूर्य	26/01/2027	चंद्र	22/02/2038	मंगल	18/04/2053	राहु	23/01/2061	गुरु	15/07/2070
चंद्र	27/08/2027	मंगल	24/04/2039	राहु	13/03/2054	गुरु	25/05/2062	शनि	24/08/2071
मंगल	23/01/2028	राहु	24/04/2042	गुरु	30/12/2054	शनि	24/12/2063	बुध	20/08/2072
राहु	10/02/2029	गुरु	23/12/2044	शनि	12/12/2055	बुध	24/05/2065	केतु	17/01/2073
गुरु	17/01/2030	शनि	23/02/2048	बुध	17/10/2056	केतु	23/12/2065	शुक्र	19/03/2074
शनि	26/02/2031	बुध	24/12/2050	केतु	22/02/2057	शुक्र	24/08/2067	सूर्य	25/07/2074
बुध	23/02/2032	केतु	23/02/2052	शुक्र	22/02/2058	सूर्य	23/02/2068	चंद्र	23/02/2075

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
23/02/2075		22/02/2093		23/02/2109		24/02/2128		23/02/2145	
22/02/2093		23/02/2109		24/02/2128		23/02/2145		00/00/0000	
राहु	05/11/2077	गुरु	12/04/2095	शनि	27/02/2112	बुध	23/07/2130	केतु	22/07/2145
गुरु	30/03/2080	शनि	24/10/2097	बुध	06/11/2114	केतु	20/07/2131	शुक्र	09/04/2146
शनि	04/02/2083	बुध	30/01/2100	केतु	16/12/2115	शुक्र	20/05/2134		00/00/0000
बुध	24/08/2085	केतु	05/01/2101	शुक्र	14/02/2119	सूर्य	26/03/2135		00/00/0000
केतु	11/09/2086	शुक्र	06/09/2103	सूर्य	27/01/2120	चंद्र	24/08/2136		00/00/0000
शुक्र	11/09/2089	सूर्य	25/06/2104	चंद्र	28/08/2121	मंगल	22/08/2137		00/00/0000
सूर्य	06/08/2090	चंद्र	25/10/2105	मंगल	07/10/2122	राहु	10/03/2140		00/00/0000
चंद्र	05/02/2092	मंगल	01/10/2106	राहु	13/08/2125	गुरु	16/06/2142		00/00/0000
मंगल	22/02/2093	राहु	23/02/2109	गुरु	24/02/2128	शनि	23/02/2145		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 10 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षतिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगे तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगे।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात शरीर से दुबले लंबे एवं आखें आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रूख रखतें हो। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपनी पत्नी के साथ विरोधात्मक रूख अपना लेते हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देते हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रोबिले कार्य कलाप से जीवन संगिनी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेते हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दों कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाते हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देते हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाते हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगे। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नही रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीला तथा अपव्ययकारी हो जाते हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करते हैं। आप असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नही कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं। इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकते हैं।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्रि का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नही पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नही होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नही मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं। अतः आप ऐसी सबक लेंकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा आप सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिकतें, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुऐंजा एवं श्वांसनली कि विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नही हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।